



SHRI ARUN JAITLEY (POSTHUMOUS)

Shri Arun Jaitley, former Union Minister of Finance, Defence, I&B, & Corporate Affairs, was an outstanding parliamentarian and a distinguished lawyer of India. In his prolific career as a lawyer and a political leader, he held many important positions and made significant contributions in the areas of economic liberalisation, judicial reforms, electoral reforms and progressive social & economic legislations in India.

2. Born on 28th December, 1952, Shri Jaitley completed schooling from St. Xavier School, New Delhi. He graduated in Commerce from the Sri Ram College of Commerce, New Delhi and obtained his LL.B from the Faculty of Law, University of Delhi in 1977. He was President of the Delhi University Students' Union in 1974 and during the Emergency, he was under preventive detention for 19 months for safeguarding democracy.

3. Between October 1999-July 2002 and January 2003-February 2004, Shri Jaitley held charge of the Ministries of Information and Broadcasting; Disinvestment; Law, Justice and Company Affairs; Shipping; and Commerce & Industry. From 3rd June, 2009 to 2nd April, 2012 and from 3rd April, 2012 until 26th May, 2014, he served as Leader of the Opposition, Rajya Sabha. Thereafter he was Union Finance and Corporate Affairs Minister until 30th May, 2019. Between these periods, he was additionally Union Defence Minister and Union I&B Minister.

4. Shri Jaitley pioneered the disinvestment programme in the country, helped usher in the new telecom policy, introduced the biggest tax reform since independence i.e. Goods & Services Tax (GST) and brought about several legislative and judicial reforms. The Fast Track Courts together with the reforms in the Civil and the Criminal Procedure Codes brought faster disposal of cases, which were highlights of his tenure as Law Minister. He piloted Company Law reforms including Insolvency and Bankruptcy Code and the law on Competition to bring the corporate legal framework in tune with the liberalisation and on the personal law side, important changes were introduced. As a defence minister he envisioned upgradation & enhancement of combat potential of the forces by technological & ammunition upgrade. He steered the landmark strategic partnership policy in Defence and approved measures for enhanced combat-ability of Indian forces. As Commerce & Industry Minister, he took a firm position in support of the Indian farmers and successfully steered the Indian Negotiations at the WTO during the challenging days in the run-up to the crucial Ministerial meeting at Cancun in 2003.

5. In 2010, the President of India for his exemplary contribution as a Member of Parliament conferred the Outstanding Parliamentarian Award on Shri Jaitley. The University of Wolverhampton conferred on him an Honorary Degree of Doctors of Letters on 26th May, 2011. The United States of America's House of Representatives honoured him in June 2011. `The Banker' Global and Asia Pacific adjudged Finance Minister of the Year 2018 by for his path breaking economic reforms. Shri Jaitely was felicitated and honoured with 'City Council Citation' by the New York City Council as an outstanding Citizen, one who is worthy of the esteem of both community and the great City of New York. In 2019, posthumously, the ET Lifetime of Public Service Award was conferred on him. Known for his erudition, legal acumen, excellent communication skills and political leadership, Shri Jaitley was above all a humanitarian who worked tirelessly for the upliftment of the common man and the progress and development of the Nation.

6. Shri Jaitley passed away on 24th August, 2019.





श्री अरुण जेटली (मरणोपरान्त)

श्री अरुण जेटली, पूर्व केंद्रीय वित्त, रक्षा, सूचना और प्रसारण तथा कारपोरेट कार्य मंत्री, एक उत्कृष्ट सांसद और भारत के विख्यात अधिवक्ता थे। अपने शानदार करियर के दौरान, वह एक अधिवक्ता और राजनेता के तौर पर, अनेक अहम पदों पर आसीन रहे और उन्होंने भारत में आर्थिक उदारीकरण, न्यायिक सुधार, निर्वाचन सुधार तथा प्रगतिशील सामाजिक और आर्थिक कानूनों के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

2. 28 दिसंबर, 1952 को जन्मे, श्री जेटली ने सेंट जेवियर स्कूल, नई दिल्ली से स्कूली शिक्षा पूरी की। उन्होंने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली से वाणिज्य में स्नातक किया और 1977 में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। वह 1974 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने, और आपातकाल के दौरान, लोकतंत्र की रक्षा के लिए 19 महीने तक नजरबंद रहे।

3. अक्टूबर 1999 से जुलाई 2002 और जनवरी 2003 से फरवरी 2004 के बीच, श्री जेटली ने सूचना और प्रसारण; विनिवेश; कानून, न्याय और कंपनी कार्य; नौवहन; तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का दायित्व संभाला। 3 जून 2009 से 2 अप्रैल 2012 तथा और 3 अप्रैल 2012 से 26 मई 2014 तक, उन्होंने राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया। इसके बाद, वह 30 मई, 2019 तक केंद्रीय वित्त और कारपोरेट कार्य मंत्री रहे। इन अवधियों के दौरान, वह केंद्रीय रक्षा मंत्री और केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री भी रहे।

4. श्री जेटली ने देश में विनिवेश कार्यक्रम का बीड़ा उठाया, नई दूरसंचार नीति आरंभ करने में मदद की, स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा कर सुधार यानी वस्तु और सेवा कर (GST) की शुरुआत की और उन्होंने कई विधायी और न्यायिक सुधार किए। सिविल और दंड प्रक्रिया संहिता में सुधारों के साथ फास्ट ट्रैक न्यायालयों से मामलों का तेजी से निपटान होने लगा, जो कानून मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की मुख्य विशेषता थी। उन्होंने कारपोरेट कानूनी ढांचे को उदारीकरण के अनुरूप बनाने के लिए ऋणशोधन और दिवालियापन संहिता तथा प्रतिस्पर्धा कानून सहित कंपनी कानून में सुधार को आगे बढ़ाया तथा पर्सनल लॉ के सम्बंध में महत्वपूर्ण बदलाव किए। रक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने तकनीक और गोला–बारूद के उन्नयन द्वारा सेना की लड़ाकू क्षमता बढ़ाने की संकल्पना की। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी नीति को आगे बढ़ाया और भारतीय सेना की युद्धक क्षमता में वृद्धि के उपायों को मंजूरी दी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री के रूप में, उन्होंने 2003 में कैनकन में महत्वपूर्ण मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले के चुनौतीपूर्ण दिनों के दौरान डब्ल्यूटीओ में भारतीय वार्ता में भारतीय किसानों के समर्थन में कड़ा रुख अपनाया और सफलतापूर्वक भारतीय वार्ता को दिशा प्रदान की।

5. 2010 में, संसद सदस्य के रूप में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए भारत के राष्ट्रपति ने श्री जेटली को उत्कृष्ट सांसद का पुरस्कार प्रदान किया। वूल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय ने उन्हें 26 मई, 2011 को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने उन्हें सम्मानित किया। द बैंकर ग्लोबल एंड एशिया पैसिफिक ने अग्रणी आर्थिक सुधार के लिए, उन्हें वर्ष 2018 का वित्त मंत्री घोषित किया। श्री जेटली को, न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल द्वारा एक उत्कृष्ट नागरिक के रूप में 'सिटी काउंसिल प्रशस्ति पत्र' से सम्मानित किया गया। ऐसा नागरिक न्यूयॉर्क के समुदाय और महान शहर दोनों के लिए सम्माननीय होता है। 2019 में, उन्हें मरणोपरांत, ईटी लाइफटाइम ऑफ पब्लिक सर्विस अवार्ड से सम्मानित किया गया। अपनी विद्वता, कानूनी कौशल, शानदार वाक्पटुता और राजनीतिक नेतृत्व के लिए विख्यात, श्री जेटली कुल मिलाकर एक मानवतावादी थे, जिन्होंने जनसाधारण के उत्थान तथा राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए अथक प्रयास किया।

6. श्री जेटली का 24 अगस्त, 2019 को देहावसान हो गया।